Publication	Edition	Headline	Page
Rajasthan Patrika	October 31, 2014	Rajasthan will become textile hub	19

टैक्सटाइल हब बनेगा राजस्थान

जयपुर

jaipur@patrika.com

मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा है कि राजस्थान जल्द ही देश में टैक्सटाइल हब बनकर उभरेगा। कुशल मानव श्रम की उपलब्धता, बिजली आपूर्ति, टैक्सटाइल इकाइयों के लिए 'स्पेशल इंसेन्टिव्स' जैसी स्कीमों के कारण राजस्थान निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है।

राजे बुधवार को यहां सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया में टैक्सटाइल फेयर 'वस्त्र-2014' का उद्घाटन करने के बाद आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में उद्योग और व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त माहौल और सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। हमने श्रम कानूनों के क्षेत्र में सुधार की पहल की है। इसके अलावा राज्य में औद्योगिक विवाद कानून, अप्रेन्टिसशिप एक्ट व कॉन्ट्रेक्ट लेबर एक्ट में संशोधन भी लागू किए हैं। इससे व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

15 लाख को रोजगार

राजे ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश में 15 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए हम युवाओं में कौशल विकास पर विशेष फोकस कर रहे हैं। प्रदेश में 'एपेरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेन्टर' द्वारा शोध और प्रशिक्षण के माध्यम से वस्त्र निर्माण के क्षेत्र में स्किल डवलपमेंट के लिए 'स्मार्ट' स्कीम चलाई जा रही है।

रेमंड का सहयोग

राज्य में रेमंड कंपनी और राजस्थान आजीविका एवं कौशल विकास निगम ने युवाओं को वस्त्र निर्माण के क्षेत्र में प्रशिक्षित करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट भी आरम्भ किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवा रंगाई, सिलाई और कटिंग का हुनर सीख कर स्वयं के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं।

ब्याज में छूट

सरकार ने नई निवेश प्रोत्साहन नीति-2014 (रिप्स-2014) में टेक्नीकल टैक्सटाइल को प्रमोट करने के लिए ब्याज में 7 प्रतिशत तक छूट, वेट पर 50 प्रतिशत तक छूट तथा केपिटल गुड्स में प्रवेश कर में 50 प्रतिशत छूट के प्रावधान हैं। इसके अलावा स्टाम्प ड्यूटी और विद्युत कर में भी छूट दी जा रही है।

स्टोनमार्ट की तरह बनेगी पहचान

कार्यक्रम में उद्योग मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि स्टोनमार्ट की तरह यह टैक्सटाइल फेयर भी विश्व में अपनी अलग पहचान स्थापित करेगा। रीको के चेयरमैन सी.एस. राजन ने कहा कि रिफायनरी से पूर्व राज्य सरकार ने 5 प्रतिशत वेट की छूट देकर टैक्सटाइल उद्योग को बड़ी सौगात दी है। राजन ने कहा कि वैश्विक स्तर पर पिछले पांच सालों से कपड़ा उद्योग 2 फीसदी वार्षिक दर से बढ़ रहा है। कपास के उत्पादन में भारत तीन दशक बाद पहली बार चीन से बढ़त बनाने के लिए तैयार है।

सात राज्य ले रहे भाग

प्रमुख शासन सचिव उद्योग वीनू गुप्ता ने कहा कि हर साल वस्त्र के आयोजन के साथ नए राज्य जुड़ते चले जा रहे हैं। पहले 3-4 राज्य थे जो इस वर्ष बढ़ कर सात हो गए हैं। पिछले वर्ष इसमें 70 लाख डॉलर का कारोबार हुआ था। फिक्की के महासचिव दीदार सिंह ने कहा कि हम सरकार के हर प्रयास के साथ हैं और इस वस्त्र मेले को दुनिया के दस शीर्ष मेलों में लाने में पूरा सहयोग करेंगे।